काशी में होगी 'काशी' की बात

- सांस्कृतिक समग्रता संग साहित्य-शिक्षा पर 14 दिवसीय परिसंवाद कल से
- काशी के विविध रूपों, आयामों और जानकारियों से परिचित होंगे लोग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशीवासी अपने ही शहर की सांस्कृतिक समग्रता व साहित्य-शिक्षा, इतिहास, संगीत आदि को करीब से जान पाएंगे। इसके लिए बनारस पर आधारित 14 दिवसीय परिसंवाद की तैयारियां जहां मुकम्मल कर ली गई हैं, वहीं बुधवार को आयोजन समिति की बैठक में इसकी रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया गया।

काशीकथा की ओर से आयोजित 'काशी की सांस्कृतिक समग्रता' विषयक कार्यशाला का उद्देश्य काशी की संस्कृति, धरोहर व जीवनशैली पर परिसंवाद स्थापित कर सांस्कृतिक समग्रता को उकेरना है। चौदह दिनों तक होने वाली परिचर्चा के प्रमुख विषय इतिहास, पुरातत्व एवं धरोहर, साहित्य, संगीत, शिक्षा, धर्म-दर्शन, कला, राजनीति, पत्रकारिता, मंदिर, घाट, त्योहार, मेले आदि हैं। वहीं प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 4.30 बजे तक लोक-जीवन के विविध पक्षों पर डा. जितेंद्र नाथ मिश्र, पं. हरिराम द्विवेदी, प्रो. पृथ्वीश नाग, प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो. ऋत्विक सान्याल, डा. अमिताभ भट्टाचार्य, विजय नारायण, प्रो. कमल गिरी, डा. रामसुधार सिंह, प्रो. हरिकेश सिंह, प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, प्रो. रेवती साकलकर, प्रो. सदानंद शाही, अलवारियो अन्तरियो, डा. ताबिर कलाम आदि ख्यात विद्वतजनों के व्याख्यान होंगे।

बैठक में आयोजन के विविध पक्षों पर विमर्श के बाद छात्रों-शोधार्थियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराने व कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में निर्णय लिए गए। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय, संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र, प्रो. पीके मिश्र, डा. अवधेश दीक्षित, डा. विकास कुमार सिंह आदि थे।